उर्मे च श्रुद्धः द्वारः क मी उर्ह्शः मीरः योगगतम्बैयोग। म्रोद:मानी दे लहा तर्बो च केंद्र राजर निर्देश क नावरा का तन्दर के स्ता निर्देश के नावर के अपने के हिन हो यो मुंद्र के स्ता राजर निर्देश के स्ता कर के स्ता के स्त कुम क्रिन्यन्तरः। ने जना उर्नुमा व्ह्नामा क्रोन्यमा क्रीमा नर्मे प्रदेन यन्तरः ही वना क्रेन्निमा महिना श्री वहार हे ज्यून प्रकी हे पार वाहेश वाहिना करते. वर्जे वहीं के ही के दिन के हिन के कि का कि के कि कि के कि के कि के कि के कि के कि कि दे.लट. क्षेत्राचन क्षे.ची.नट.व वारीव उन्तेत्रालट.तेय टेट. मूट. उत्त्राची हट ट्यूर. दे.लट. मार्च अत्राचना क्री क्रु.लर.र्च्या.बाधर.र्च्यूत.उधर.क्र्य.र्ज् ट्रे.उत्तर्ज्ञ.जग्र. र.जग्र.स्र उद्भासीट ध्री क्रूचायालूटवाक्षेता खेता उद्दूशवा वटा जवा त्यः हि. त म्ब्रीत त्यीगावना कर दीय योश्य देव स्था क्षेत्र क्षा के कि स्वार्थ के कि स्वार्थ के स्वर चोर्चल.क्ट्.कुचा.उत्तरं.चोलजत्तरम्बेचोल.उत्तरं स.क्षुरी ≆.क्बं.धता व्यूच मुक्ती मार्ग निवास सुमाने मुक्ता अमेर में मुक्ता अप की में मुक्ता अप की में मुक्ता मार्ग की मुक्ता मार्ग की मुक्ता मार्ग मार्ग की मार्ग मा ≆.क्⊈ःतो न्त्र्य यु द्रयाभाग प्राप्तः नाभगन्यस्थाना न्द्रप्तः न्य्रप्तः स्ट्रप्तः स्ट्रप्तः स्ट्रप्ताः स्ट्रप्यान्तः अन्ति स्ट्रप्ताः स्ट्रप् र्-क्.लर. ग्.ग्र्र-ठचर-रवि.च.के.श्रुक्च ¥.क्र्यःज्ञा ≆.क्बं.न्ता ≆.क्ष्यं.लता मुभग कु उरिय अचा हे उत्तर सर. चा र सि. ठर्ची च श्रु शुर्य च हे रूप उहूर्य की सूच रियर लूटी ¥.क्⊈.जत्। चा.र.जधारीर.भ्रेच.उत्तर.रेज्यू.सपु.स्व्यू.र्टनर.जूरी ≆.क्बं.√त्रो % खुंगलकृष मृत्रः सन्त चुंगल मिल्रः मार सर मील मोबर लूर राजु मोबु हेव मृत्र राजु मोबुर राजु दी श्रीर प्रे मिर्क मुगल्ला के कुंगल मीन उन कु खुंगल खेन कूर्याल राजु मान्य स्थान स्थान

ह्मेनलन्दर अध्यवित्तर उद्द्वन्विर उत्तर्वुर्ता में द्रम्भ ठूचा सन्तर्भा साम्या सहर सम्बन्धा महत्त्व क्रूमा मा स

\$.æ2.00±1 ₹.क्⊈.11171 श्रु अर क्षिमान निर्देश के दूरा बार कुर्य से रास कुरू कर प्रकार के તામગુંદ તુંમા ગ્રામા જેવા ગ્રાન્ટ વર્જ દુખા ક્ષાન્ય છે. તુંમા વર્જ, કુમાપેદન દ્વ-કુમારે તુંમા ગ્રામા છે. તુંમા ગર્જા નામગું તુંમા ગર્જા તુંમા ગર્જી તુંમા ગર્જા તુંમા ગર્જા તુંમા ગર્જા તુંમા ગર્જા તુંમા ગર્જા તુંમા ગર્જા તુંમા ગર્જી તુંમા ગર્જા તુંમા ગર્જા તુંમા ગર્જા તુંમા ગર્જા તુંમા ગર્જી તુ कर्जनाम् चर्त्रनेशःचित्रमान्त्रभ्रम् ≆.क्⊈.कर्ता क्षेर्यमा शुःस की बहुरः क्षेर्यक्ष दिन्न सर द्रार द्रार प्रकर्ण । त्रिक्ष प्रकर्ण हिम प्रकृति विकास कर्मि के स्वाप्त करित कि सार प्रकृति कि सार करित कि सार कि मोर्च्र त.चगोजश्राजमानेव श्रीर चीर्च्य सिमान क्रीस्ट र्टनर लूरी ¥.क्र्यं.ध±त। श्रीरूश मात्र थः मुभावन रे रे नवित्र क्रिश सर्क्य यदः वर्षेद् थः ना हे वर्क्य स्टावर्क्य वित्र प्रदेश ना हे मवि नवव स्टानकवर्क्ना प्यवे वित्र प्रदेश शुद्राचा माश्री दिनः मन्युद्र मिनामन नाहेश हे. मैनामन मोश्री नाम श्री दिन नाम में उन्नी के उन्नी मन जूनी मन जूनी मन जुद्री मैनामन नाम हो जून के नाम मानि के विकास मानि के ≨.क्⊈.५०न। शुद्रुंश.चं.र.ती. हैंचा ब्रैट् जर्भ.डेर.घटाश.ती. कैंगावटा चोवेषी वर क्षेत्रका ब्रैव ज़र्ब हे डूर्ट कूची तारु ब्रूटा टेटर लूटी ¥.क्र्यं.७तत्ता च.र.जे.श्राधरश.कु.ध्ट.रंचर.लूरी मा सुः भार देश या ओर त्यर सर अदि श्री सिरश होन द्वार ओर्स नहीं या केंद्री श्री सर अर्थर है दि होन द्वार ओर्स नहीं श्री केंद्री ¥.क्ष्यं.५०त। चोष्रेय चर्त्रमा द्वाद्यी हार. चोष्रेय चर्त्रमा द्वाक्षाय तर्द्र चावर चूर्चाय क्रियार नर्दर चावर महिला क्षेत्रमा प्रची चार्त्रमा चार्त्रमा प्रची चार्त्रमा चार्त चनतक्ष्यः त्रमञ्जात्ते, श्रेष्टं वयन्त्रोक्षं क्वं यो स्टर्याचुं दर्यः अर्थाचुं पत्रमञ्जाता निर्क्षे अवशासमा निर्क्षे अधिकारमा निर्क्षे अधिकारमा निर्वेश स्टर्मियानमा मिन्ना स्वीता स्वी \$.æ2.innt1 शुर्मुंशाची राजी. नटा मिर. लटवी है क्व्वीवटाजी. मैं नेर्मुंशान्येची र्वाटर उवर्व बुदु नटार्वाटर लूरी मा र मीश्रायदः सद्युद्धे निर्द्यासून देनदार अवस्त्रेष कुषासूद कुमार्गमा झुकून ₹.æ2.ù<=1 તા માર ઉજ્ઞાનું અભ્યાના કેટ તુ નેટ ક્રમા મુના ક્રેનું છી ને અભ્ય કૂના જેનામાં ના તેમાં અનુ વેદ માર મુન્નું તેના મુન્ન ને તાને મુન્નો ના માર ઉજ્ઞાન ના તાના મુન્નો માર પ્રાથમિક માર પ્રામિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રામિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રામિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રામિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રામિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રામિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રામિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રામિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્રાથમિક માર પ્ર चा र अंदर कुट्ट तका उक्तर मैंता पुरें दे कर के कुंच हो कर पर हुंदु र पर पर कुंदु हैं जर पर कुंद हुंद के किंदि हों कि किंद हों कि किंदि हों कि किंदि हों कि किंदि हों कि किंदि हों कि किंद हों कि किंदि हों कि किंदि हों कि किंदि हों कि किंदि हों कि किंद हों कि किंदि हों कि किंदि हों कि किंदि हों कि किंदि हों कि किंद हों कि किंदि हों कि किंदि हों कि किंदि हों कि किंदि हों कि किंद हों कि किंदि हों कि किंद हों कि कि क्र्या.ततु. रंजरंतरःक्ष्.क्र्रंत्तःक्षुवी ¥.क्⊈.उल्म च.र.जी.बु.चर्.रर.जीव.तर्.कूचील.उडू्मांव.उडूूचील.वु.सर. कूचील.त.चत्र् बुदु.रजरंचर.लूरी माशुः भर रहेना अपः क्षेत्रा अपः अस्ति प्रदेश प्रमाणि अपना अपेरा मुग्ता प्रमाणि अस्ति स् £.æ2.≤1,51 क्षेत्रा र.श. रत्युर् मेराज्य कुर्याचेर मुंद वु वर संघर यो र.ट. तत्र रत्य रत्य सुष्ट्री जला यो राज्य त्वी उत्तर या दु उद्वार प्राप्त हिना मेर्च्य

शुन्ना र.जी. रम् मुनु मिलावतः वस् शुन्नार अवशा मूर्या उर्दे अभिश्च मूर्य स्मूरित री रास्तर स्मूरी क्. चानर त्युः कूर्यान मिदानर , र्रत्र उर्दे अभ्या क्रिक्यान मिदान मिद्र वृद्धः वि.सुद्ध्या अम्य उत्तर र्र्त्या ¥.क्र्यं.उउता ्रच् य यु द्रयाभ या र. यु कृतु उद्येश यु याद्व माध्य माध्य माध्य माध्य माध्य मुद्र प्रवास के माध्य माध श्रेन्यराववाकुत्वरुत्त्वभवर्षुरत्तरभ्यार्जुभक्तुःत्वर्विन्यत्वर् ≆.क्र्यःउस्रा ना र ते. जैनानूची जन्दे बुद्दर्र, जैनानूची नार्स्याव मेर बुद्धर्य तर्वर। देजक, ज्रमात्र कर बु कु जैनानूची नाय केर कर र. जैनानूची मुद्र रात्र र जिन्हें में प्रकार केर बि मा र.ज. ब्रै्माय र्द्राय त्रोर पर र र सूत्रु जै मानूमा र र उद्दीक चतु र रिक लूमी व हुन र मूर् र र र र कूरी चीर जि. यर शुरुप्रमाथ क्षिप्रेच श्रीर मीर्स्च जि. क्षूर जम्मार हुन हिना क्ष्यीय मानमु बु तर। नम् क्षेत्र्य भी क्ष्य वर जी उद्दिन बुरु रामर कर्त्री ¥.क्⊈ं≾ल्ता चान्तः निर्माल्चायान्तः प्रमान्तः तृत्यस्त्रं भूतः स्वतः प्रमान्तः । दिवामक्त्रमान्तः स्वतः स् ≨.क्ब्र.ऽलत्। वा र अ. चनर उद्दीर दर्भ क्रिके का क्रिस्टीय दर उद्देश क्रिके व तर्ना व्हर्षी में त्राव नर्गाय अस्ति में त्राव विश्व क्रिके प्रति विश्व क्रिके शुर्व क्षेत्र उत्तर आईत्रीय तह क्यू त्रीय को के का अर्थाय ता है वह अर्थ है आई आर सर सुर्युद्ध र स्त्री वचर का ही मिला का अर्थित को के स्तर्भाव के स्थाप की पार्टिय के किया है अर्थ पर स्थाप की स्तर्भाव की स्तर्भा ≨.क्⊈ः⊲ता शुद्धः योत्रुरशः मुख्यः दरः उद्धिशः में यो यः शि उद्युतः व्हूं योशतः मुद्दे यो न्पेग लूच में बाहू मुळ्यू म बुद्ध प्रिक्त क्रक क्र क्र मूम उदेन त्राधित रहे मां प्रकाश क्रीम मिं। उर्जू मां क्रीय क्रीय क्रिय मां क्रिय अनाम मुजूर ही जैनात्र दें उद्देश ग्रीद ही कूर्याम कुर्य प्रदेश की ही जैनुयान कुर्यर, दुन जुन रिस्ट पनियान अहर पनियान कि स्वीत प्रदेश की मानवार दर्स के नुवास के मानवार पर कि स्वीत प्रदेश की मानवार पर कि स्वीत प्रदेश की मानवार पर कि स्वीत प्रदेश की पर प्रताम कि स्वीत प्रदेश मानवार पर कि स्वीत पर कि स्वीत प्रदेश मानवार पर कि स्वीत पर कि स्वीत प्रदेश मानवार पर कि स्वीत पर कि स्वीत प्रदेश मानवार पर कि स्वीत पर कि स्वीत प्रदेश मानवार पर कि स्वीत पर कि स्वीत प्रदेश मानवार पर कि स्वीत प्रद तमार्थ्य, त. यट गुद्धा ती.ती.चेत्रा जूर पा द्वा पा देव पा देव पा देव प्रियं त. हे मूट जना पाटमाय भैप दुद्द रे पट का जूरी ¥.क्⊈ःजन। ना मा अभि के बंद मी जक्ष जूनन हैन अप हुं बंद अनामा कमा बुम्पन पर तर तर तर अप मार्ग होना है। अमार्ग जून उने मार्ग होना के बंद मार्ग दिन कर हो मार्ग विकास के कि कि विदेश कर निवास कर है। इ.श्बं.४८०। ¥.क्र्यं.उं⊌ता न्। र.से. रट.रेनट मु. धूर्य जन्न लूक् भैयोग मदुश है उद्दे बट. उनरे र मू तदुरूपोन क्ष्री मु. उपोद विर लूच त्र र भूतु बूच टीकर देन दीन दीन ही का क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र का अपने क्षेत्र क्षेत

मैरमा मेडुमा क्षव रम्मूरा उत्तर विमान वर तम्मूर सूर शुद्ध क्र्र मोर्च मी वर उपूर सी जमा मुंब उद्यत रम्मू

≆.क्बंॐता

र्केन निमन्तर निर्मान में की मान माने मी बन अवान की मुंदर अर्डा मीन ही के मिल की निर्माण में निमन माने के मान की की अवान की के माने